E-Content for student of Patliputra University Patna Bihar

Course -B.A part-1

Subject- Hindi composition(100marks)(हिन्दी रचना)

Topics- वैश्विक महामारी और साहित्य. विषय पर निबन्ध लिखें ।

-डॉ प्रफुल्ल कुमार,एसोसिएट प्रोफेसर अध्यक्ष-हिन्दी विभाग

,आरआरएस कॉलेज मोकामा।

कोरोनावायरस से फैली वैश्विक महामारी ने सम्पूर्ण मानव जाति को परास्त कर दिया है। दूसरे ग्रहों,उपग्रहों सूर्य का निर्माण करने जा रहा मनुष्य आज मजबूर है।अचानक गतिशीलता थम गई। हवाई जहाज, रेल,गाड़ियां,दुकानें,स्कूल,कॉलेज,व्यवसाय,सब बंद है।।कुछ गांव पहुंचकर दम तोड़ देते हैं,तो कुछ रास्ते में भूख,थकान के मारे दम तोड़ रहे हैं।करुण दृश्य पूरे संसार में व्याप्त है।इस समय दो तरह की रचनाएं हो रही हैं-एक तो वेदना विदग्ध कवि के हृदय से करुणा का भाव निकल रहा है तो दूसरी ओर महामारी के जंग लड़ते हुए वीर रस और शौर्य।

आज का साहित्य एक महान परिवर्तन को चित्रित करेगा।पूरे विश्व में कई लाख लोगों की मृत्यु महामारी से हो चुकी।आगे भी लोग गरीबी,भूखमरी,तंगहाली से दम तोड़ेंगे।कल एक विशेष प्रकार के परिवर्तन को लेकर साहित्य आएगा। कोरोनावायरस के कारण फैली वैश्विक महामारी से निपटने के लिए दुनिया भर के डॉक्टर, वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, राजनेताओं, शिक्षाविदों ने अपनी-अपनी सारी शक्तियां लगा दी है। इस वैश्विक महामारी ने दुनिया को वास्तविक ग्लोबलाइजेशन के स्वरूप का एहसास कराया है। कोरोनावायरस ने पूरे विश्व को एक घर के रूप में लिया है। उसने विश्व की भौगोलिक, राजनीतिक,जाति एवं धर्म की सीमा को नजरंदाज कर दिया और पूरी मानवजाति को संक्रमित करने का काम किया है।

कोरोना मरीज की मौत होने पर उसके परिजन,मित्र-संबंधी उसे पानी नहीं दे सकते हैं। अंतिम संस्कार नहीं कर सकते है।मनुष्य अकेला हो गया है।महर्षि वाल्मीकि ने प्रेम-मग्न

क्रौंच(सारस) नर पक्षी का वध कर देने पर,मादा पक्षी के विलाप सुनकर द्रवित अवस्था में कहा- **" मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः--- काममोहितम्॥"**आदि कवि वाल्मीकि ने मातृ पक्ष के विलाप से इतना बड़ा करूण महाकाव्य लिख दिया तो वर्तमान साहित्यिक रचनाएं कितनी करूण होगी इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत ने लिखा है-**"वियोगी होगा पहला कवि /आह से उपजा होगा गान----।"**

आलोचक,कवि डॉ ओम निश्चल ने लिखा-**"फैल रहा है महासंक्रमण/जिस जिसको यह चूम रहा है/अभी पराजित नहीं समर में/युद्ध अभी इससे जारी है./चारो ओर महामारी है..."**

वर्तमान साहित्य के पात्र गरीब मजदूर प्रवासी होंगे।साहित्यकार पूरे विश्व की परिस्थितियों से मन में उमड़ रही भावनाओं की साहित्यिक जुगाली कर विभिन्न भाषाओं में साहित्यिक रचना कर रहे हैं।आज तक की सर्वाधिक महत्वपूर्ण और हृदय विदारक महामारी में1200 किलोमीटर लोग पैदल चले।इस दर्दनाक स्थिति में अभिव्यक्त साहित्य कविता,कहानी,नाटक,निबन्ध,उपन्यास होगा।